

CIJ-02/DFJK-02

December – Examination 2020

Certificate in Falit–Jyotish Examination

फलित ज्योतिष में प्रमाण-पत्र

(ज्योतिष द्वारा फलादेश की विधि)

Paper : CIJ-02/DFJK-02

Time : 2 Hours]

[Maximum Marks : 100

Note :- The question paper is divided into two Sections A and B. Write answers as per the given instructions.

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section–A

10×2=20

(Very Short Answer Type Questions)

Note :- Answer all questions. As per the nature of the question you delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to **30** words. Each question carries 2 marks.

खण्ड—अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) शालिवाहन एवं विक्रम संवत्सर के मध्य कितने वर्षों का अन्तर है ?
- (ii) दैवी ऋतुओं के नाम लिखिए।
- (iii) चान्द्र मास कितने दिवस एवं घण्टे का है ?
- (iv) अमावस्या क्या है ?
- (v) कृष्ण पक्ष किन कर्मों में प्रशस्य है ?
- (vi) गलग्रह तिथियाँ कौनसी मानी गयी हैं ?
- (vii) तैलाभ्यंग किस तिथि को निषिद्ध है ?
- (viii) द्वितीया को योगिनी किस दिशा में होती है ?
- (ix) गोमूत्र किस तिथि के यात्रा दोष को समाप्त करता है ?
- (x) अभिजीत मुहूर्त किसे कहते हैं ?

Section-B

4×20=80

(Short Answer Type Questions)

Note :- Answer any four questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 20 marks.

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2. षड् ऋतुओं के अनुकूल सौरमास एवं चान्द्रमास को स्पष्ट कीजिए।
3. उत्तरायण एवं दक्षिणायन को स्पष्ट कीजिए।
4. क्षयाधिमास पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।
5. मलमास में करणीय तथा अकरणीय कर्मों का वर्णन कीजिए।
6. तिथि को संक्षेप में समझाइए।
7. होरा लग्न साधन विधि को स्पष्ट कीजिए।
8. अग्निवास का वर्णन कीजिए।
9. द्रेष्क्राण को संक्षेप में समझाइए।